समुद्री राज्य/ राज्य निदेशालय (गैर-महापत्तन) में जून, 2021 के दौरान संभाला गया कार्गो

भारत के समुद्री राज्य/ राज्य निदेशालय में कुल कार्गो यातायात

समुद्री यातायात का कार्यकलाप, विश्व अर्थव्यवस्था नामत: विश्व आउटपुट एवं व्यापार में वृद्धि में होने वाले विकास द्वारा चालित होता है। इस प्रकार, पत्तनों द्वारा संभाले गए समुद्री कार्गो यातायात की मात्रा का आकार मुख्य रूप से वैश्विक एवं घरेलू गतिविधियों के स्तरों एवं परिवर्तनों पर निर्भर होता है। गैर-महापत्तनों में कार्गो यातायात अप्रैल-जून, 2020-21 के दौरान संभाले गए 118.14 मिलियन टन से **अप्रैल-जून, 2021-22 के दौरान 30.0% तक बढ़कर 153.56 मिलियन टन** हो गया है।

गैर-महापत्तनों में संभाला गया विदेशी कार्गो यातायात अप्रैल-जून, 2020-2021 के दौरान संभाले गए 103.08 मिलियन टन से अप्रैल-जून, 2021-22 के दौरान 29.1% तक बढ़कर 133.12 मिलियन टन हो गया है। गैर-महापत्तनों में संभाला गया तटीय कार्गो यातायात अप्रैल-जून, 2020-21 के दौरान संभाले गए 15.07 मिलियन टन से अप्रैल-जून, 2021-22 के दौरान 35.6% तक बढ़कर 20.44 मिलियन टन हो गया है।

जून, 2021 के दौरान पत्तनवार संभाला गया कार्गो

- गैर-महापत्तनों पर **जून, 2021** के दौरान, संभाला गया कार्गो 49.91 मिलियन टन है जिसकी वृद्धि में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.3% बढ़ोतरी देखी जा सकती है। गैर-महापत्तनों में जून, 2020 के दौरान संभाला गया तटीय कार्गो यातायात 6.13 मिलियन टन की तुलना में जून, 2021 के दौरान संभाले गए 2.6% से 6.29 मिलियन टन वृद्धि हुई है। गैर-महापत्तनों में जून, 2021 के दौरान संभाला गया विदेशी कार्गो जून, 2020 के दौरान संभाले गए 33.70 मिलियन टन से 29.9% बहदकर 43.61 मिलियन टन हो गया है।
- जून, 2021 के दौरान, महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड, के गैर-महापत्तनों ने विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में, यातायात में 38.3% की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, इसके बाद आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (एपीएमबी) (31.6%), पत्तन निदेशालय, ओडिशा (29.3%), गुजरात समुद्री बोर्ड (जीएमबी) (24.1%) के गैर महापत्तन आते हैं। जून, 2021 में जिन समुद्री राज्य/राज्य निदेशालयों ने घाटा दर्ज किया है, उनमें पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (54.3%) हैं, जिसके बाद पत्तन प्रबंधन बोर्ड अंडमान एवं निकोबार (35.7%), केरल

समुद्री बोर्ड (28.4%), तमिलनाडु समुद्री बोर्ड (टीएनएमबी) (11.7%) और पत्तन निदेशालय पुदुच्चेरी (8.5%) शामिल हैं।

- जून, 2021 के दौरान, समुद्री राज्य/ राज्य निदेशालयों में गुजरात समुद्री बोर्ड ने समुद्री राज्य/ राज्य निदेशालय में संभाले गए कुल कार्गो में (64.6%) की हिस्सेदारी के साथ 32.24 मिलियन टन के अधिकतम कार्गो यातायात की संभलाई की, इसके बाद पत्तन निदेशालय आंध्र प्रदेश (18.0%), पत्तन निदेशालय, ओडिशा (8.9%), महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (6.2%), तमिलनाडु समुद्री बोर्ड (1.3%), पत्तन निदेशालय, पुदुचेरी (0.7%), पत्तन प्रबंधन बोर्ड, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (0.2%) और पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (0.1%) आते हैं।

- विस्तृत सामान के स्तर पर विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में जून, 2021 में **प्रोजेक्ट कार्गो ने 187.2% की सर्वाधिक वृद्धि प्राप्त की है।** इसके बाद अन्य कोयला (131.7%), कोकिंग कोयला (69.0%), थर्मल कोयला (33.7%), कंटेनर (33.1%), पीओएल क्रूड (21.5%), उर्वरक (17.3%), लौह अयस्क (10.6%), पीओएल उत्पाद (9.9%), दालों को छोड़कर खाद्यान्न (0.4%), और अन्य वस्तुएं (0.2%) आते हैं। जून, 2021 में अन्य अयस्क ने 89.8% की अधिकतम नकारात्मक वृद्धि दर्ज की इसके बाद, दालें *(63.9%), निर्माण सामग्री (50.4%), चीनी (48.1%),* एफआरएम लिक्विड (36.5%)*, खाद्य तेल (27.3%), लोहा और इस्पात (23.8%), एलपीजी अथवा एलएनजी (21.7%) और सीमेंट (16.5%),* आते हैं।

- विस्तृत सामान के स्तर पर जून, 2021 में कंटेनर ने **18.4% की हिस्सेदारी के साथ 9.17 मिलियन टन** के अधिकतम कार्गो यातायात की संभलाई की है। इसके बाद अन्य कोयला (17.1%), पीओएल क्रूड (13.8%), पीओएल उत्पाद (11.0%), अन्य वस्तुएं (10.0%), लौह अयस्क पैलेट्स/फाइन *(8.1%),* कोकिंग कोयला (6.3%), थर्मल कोयला (4.7%), एलपीजी अथवा एलएनजी (3.4%), उर्वरक (2.9%) लोहा एवं इस्पात (1.3%), सीमेंट (1.2%), दालों को छोड़कर खाद्यान्न (0.6%), खाद्य तेल (0.5%), चीनी और एफआरएम लिक्विड (0.2%) और प्रत्येक एफआरएम ड्राय, निर्माण सामग्री, प्रोजेक्ट कार्गो औद दालें *(0.1%)* आते हैं।

<u>अप्रैल-जून, 2021-2022 के दौरान संभाला गया कार्गो यातायात</u>

- अप्रैल-जून, 2021-2022 के दौरान केरल समुद्री बोर्ड ने 243.0% की अधिकतम वृद्धि दर्ज की है हालांकि, राज्य समुद्री/ राज्य निदेशालय के गैर महापत्तनों द्वारा 153.56 मिलियन टन की कुल कार्गो संभलाई में उसकी हिस्सेदारी कम है इसके बाद महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (62.6%), गुजरात समुद्री बोर्ड (29.6%), आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (27.3%), पत्तन निदेशालय, उड़ीसा (26.9%), तमिलनाडु समुद्री बोर्ड (23.9%), पत्तन प्रबंधन बोर्ड, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (9.3%) का स्थान है। अप्रैल-जून, 2020-2021 की तुलना में अप्रैल-जून 2021-2022 के दौरान पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (20.2%) ने यातायात में सबसे अधिक नकारात्मक वृद्धि दर्ज की, इसके बाद पत्तन पुडुचेरी (12.1%) आता है। **(तालिका- 1)**

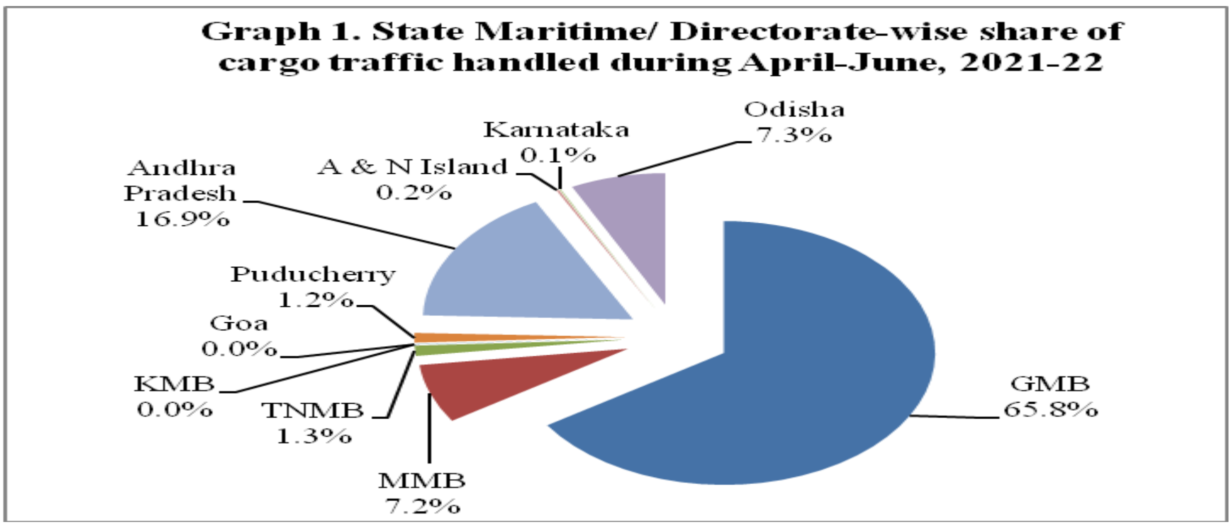

- अप्रैल-जून 2021-22 के दौरान, समुद्री राज्य /राज्य निदेशालय, गुजरात समुद्री बोर्ड ने 65.8% की हिस्सेदारी के साथ 101.03 मिलियन टन की अधिकतम कार्गो संभलाई की, इसके बाद आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (16.9%), पत्तन निदेशालय, ओडिसा (7.3%), महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (7.2%), तमिलनाडु समुद्री बोर्ड (1.3%), पत्तन निदेशालय, पुडुचेरी (1.2%), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (0.2%) और पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (0.1%) आते हैं।

तालिका -1 : गैर-महापत्तन - पत्तन-वार संभाला गया मासिक कार्गो यातायात

(हजार टनों में)

क्रम सं.	पत्तनों के नाम		(जून, 2020)(पी)		(जून, 2021)(पी)		कुल योग (अप्रेल-जून, 2020-21) (पी)		कुल योग (अप्रेल-जून, 2021-22) (पी)		% में अंतर {(Col.10/ Col.8-1)* 100}
			संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सा	संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सा	संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सा	संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
1	जीएमबी	विदेशी	22906	68.0	29153	66.8	70803	68.7	90788	68.2	28.2
		तटीय	3076	50.2	3087	49.1	7177	47.6	10247	50.1	42.8
		कुल	25982	65.2	32241	64.6	77980	66.0	101034	65.8	29.6
2	एमएमबी	विदेशी	996	3.0	1140	2.6	3409	3.3	5637	4.2	65.4
		तटीय	1249	20.4	1967	31.2	3418	22.7	5466	26.7	59.9
		कुल	2246	5.6	3106	6.2	6827	5.8	11103	7.2	62.6
3	टीएनएमबी	विदेशी	699	2.1	584	1.3	1516	1.5	1795	1.3	18.4
		तटीय	16	0.3	47	0.8	40	0.3	132	0.6	228.3
		कुल	715	1.8	631	1.3	1556	1.3	1927	1.3	23.9
4	गोवा	विदेशी	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0.0
		तटीय	0	0.0	0	0.0	2	0.0	8	0.0	276.8
		कुल	0	0.0	0	0.0	2	0.0	8	0.0	276.8
5	केएमबी	विदेशी	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0.00
		तटीय	5	0.1	4	0.1	15	0.1	53	0.3	243.0
		कुल	5	0.0	4	0.0	15	0.0	53	0.0	243.0
6	पुदुच्चेरी	विदेशी	400	1.2	366	0.8	2062	2.0	1812	1.4	-12.1
		तटीय	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0.0
		कुल	400	1.0	366	0.7	2062	1.7	1812	1.2	-12.1
7	आंध्र प्रदेश	विदेशी	5715	17.0	8209	18.8	16983	16.5	22643	17.0	33.3
		तटीय	1115	18.2	781	12.4	3369	22.4	3266	16.0	-3.0
		कुल	6829	17.1	8990	18.0	20352	17.2	25909	16.9	27.3
8	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमू	विदेशी	18	0.1	1	0.0	20	0.0	3	0.0	-84.1
		तटीय	107	1.7	79	1.3	256	1.7	299	1.5	16.8
		कुल	125	0.3	80	0.2	276	0.2	302	0.2	9.3

	ह										
9	कर्नाटक	विदेशी	51	0.2	14	0.0	151	0.1	136	0.1	-9.8
		तटीय	35	0.6	26	0.4	79	0.5	47	0.2	-40.3
		कुल	86	0.2	39	0.1	230	0.2	183	0.1	-20.2
10	ओडिशा	विदेशी	2911	8.6	4145	9.5	8132	7.9	10307	7.7	26.7
		तटीय	530	8.6	303	4.8	711	4.7	918	4.5	29.1
		कुल	3440	8.6	4448	8.9	8843	7.5	11225	7.3	26.9
कुल		विदेशी	**33695**	**84.6**	**43612**	**87.4**	**103077**	**87.2**	**133121**	**86.7**	**29.1**
		तटीय. ..	**6133**	**15.4**	**6294**	**12.6**	**15067**	**12.8**	**20435**	**13.3**	**35.6**
		कुल	**39828**	**100.0**	**49906**	**100.0**	**118144**	**100.0**	**153556**	**100.0**	**30.0**

स्रोत :- पोर्ट डाटा मेनेजमेंट पोर्टल, पोत परिवहन मंत्रालय

(पी) प्रोविजनल

- अप्रैल-जून, 2021-2022 के दौरान, प्रोजेक्ट कार्गो में 150.1% की अधिकतम वृद्धि दर्ज की गई है इसके बाद प्रत्येक सीमेंट और निर्माण सामग्री (76.6%), अन्य कोयला (74.5%), दालों को छोड़कर खाद्यान्न (67.6%), कोकिंग कोयला (56.8%), कंटेनर (47.7%), चीनी (42.9%), लौह अयस्क (38.2%), थर्मल कोयला (32.5%), खाद्य तेल (24.8%), पीओएल क्रूड (16.6%), अन्य सामग्री (15.0%), और पीओएल उत्पाद (2.3%) आते हैं।

- अप्रैल-जून, 2020-2021 की तुलना में अप्रैल-जून, 2021-2022 के दौरान अन्य अयस्कों में 37.4% की सबसे अधिक नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। इसके बाद एफआरएम लिक्विड (29.3%), उर्वरक (12.8%), एलपीजी अथवा एलएनजी (2.0%) और लौहा और इस्पात (1.2%) आते हैं। **(तालिका-2)**

- सभी वस्तुओं में से, अप्रैल-जून, 2021-2022 के दौरान पत्तनों में अधिकतम संभलाई किया गया सामान कंटेनर है, जो 18.6% की हिस्सेदारी के साथ 28.51 मिलियन टन रहा। इसके बाद अन्य कोयला (16.0%), पीओएल क्रूड (14.0%), पीओएल उत्पाद (10.8%), अन्य वस्तुएं (10.4%), लौह अयस्क/ पैल्लट (7.5%), थर्मल कोयला (6.5%), कोकिंग कोयला (5.9%), एलपीजी एवं एलएनजी (3.5%), सीमेंट (1.7%), उर्वरक (1.6%), लोहा और इस्पात (1.2%), दालों और खाद्य तेल को छोड़कर चीनी और खाद्यान्न प्रत्येक में (0.6%), अन्य अयस्क, निर्माण सामग्री और एफआरएम लिक्विड (0.2%) तथा परियोजना कार्गो (0.1%) हैं।

तालिका-2: गैर-महापत्तनों में कार्गो यातायात की वस्तु-वार वृद्धि						
(हजार टन में)						
वस्तुएं		(अप्रैल, 2020)(पी)		(अप्रैल, 2021) (पी)		प्रतिशत परिवर्तन {(कॉ.4/कॉ.2-1)*100}
		संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सेदारी	संभाला गया कार्गो	प्रतिशत हिस्सेदारी	
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पीओएल क्रूड		5658	14.2	6876	13.8	18384
पीओएल उत्पाद		4978	12.5	5473	11.0	16146
एलपीजी या एलएनजी		2153	5.4	1686	3.4	5483
खाद्य तेल		339	0.9	246	0.5	749
एफआरएम-लिक्विड		176	0.4	112	0.2	382
लौह अयस्क पेलेट्स /फाइन		3671	9.2	4058	8.1	8336
अन्य अयस्क		196	0.5	20	0.0	503
थर्मल कोयला		1744	4.4	2332	4.7	7590
कोकिंग कोयला		1857	4.7	3138	6.3	5793
अन्य कोयला		3682	9.2	8531	17.1	14062
उर्वरक		1255	3.2	1472	2.9	2834
एफआरएम-शुष्क		0	0.0	63	0.1	0
दालों को छोड़कर खाद्यान्न		280	0.7	282	0.6	516
दालें		83	0.2	30	0.1	83
चीनी		226	0.6	117	0.2	594
सीमेंट		744	1.9	622	1.2	1462
लौहा तथा इस्पात		820	2.1	624	1.3	1831
परियोजना कार्गो		10	0.0	30	0.1	32
निर्माण सामग्री		98	0.2	49	0.1	171
कंटेनर	टन	6897	17.3	9177	18.4	19308
	टीईयू*	528	1.3	666	1.3	1480
अन्य		4959	12.5	4969	10.0	13886
कुल		**39828**	**100.0**	**49906**	**100.0**	**118144**

स्रोत :- पोर्ट डाटा मेनेजमेंट पोर्टल, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

(पी) प्रोविजनल

<u>अप्रैल-जून, 2021-22 के दौरान संभाला गया विदेशी एवं तटीय कार्गो</u>

- अप्रैल-जून, 2021-22 के दौरान गैर-महापत्तनों में, गुजरात समुद्री बोर्ड (जीएमबी) ने 68.2% की हिस्सेदारी के साथ 90.79 मिलियन टन के अधिकतम विदेशी कार्गो की

संभलाई की। इसके बाद आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (17.0%), पत्तन निदेशालय, ओडिशा (7.7%), एमएमबी (4.2%), पुदुचेरी (1.4%), टीएनएमबी (1.3%), और पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (0.1%) आते हैं। **(ग्राफ-2)**

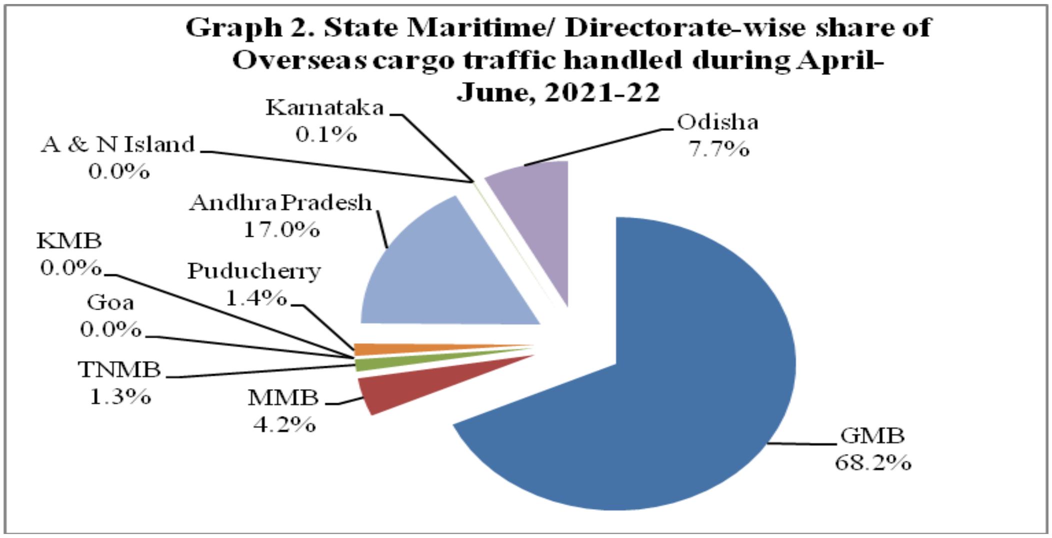

- अप्रैल-जून, 2021-22, के दौरान गैर-महापत्तनों में, 50.1% हिस्सेदारी के साथ जीएमबी ने 10.25 मिलियन टन के अधिकतम तटीय कार्गो की संभलाई की। इसके बाद एमएमबी (26.7%), आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (16.0%), पत्तन निदेशालय, ओडिशा (4.5%), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (1.5%), टीएनएमबी (0.6%) और केएमबी (0.3%) और पत्तन निदेशालय, कर्नाटक (0.2%) आते हैं। **(ग्राफ-3)**

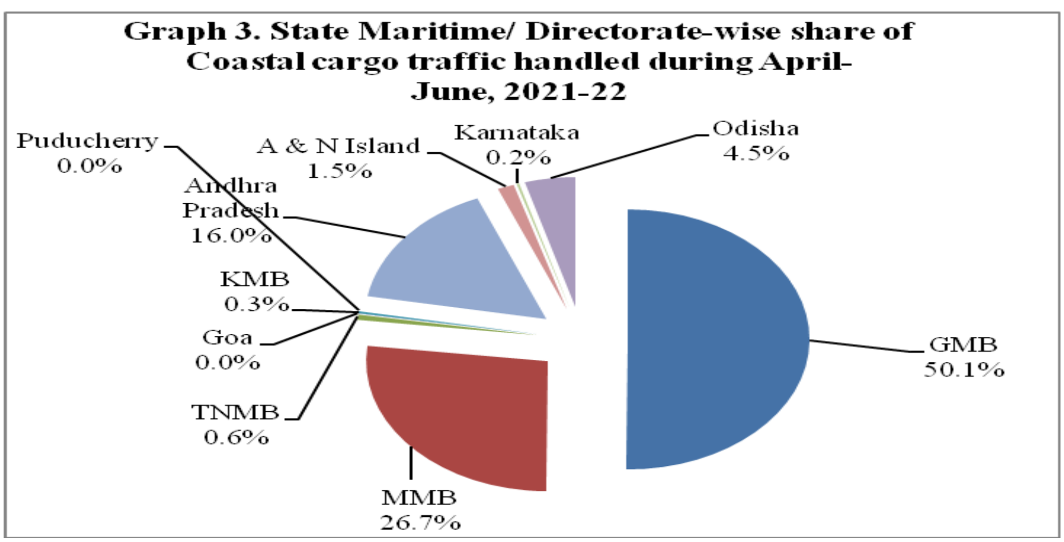

****